निवेश मार्गदर्शिका

जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के बीच संबंध

वृद्धिलक्षी निवेशक अपने निवेश की मूल्यवृद्धि के लिए कंपनी के प्रवर्तक और उनकी विकास योजना के आधार पर जोखिम उठाने को तैयार रहते है। जोखिम उठाने और उसे वहन करने की क्षमता प्रत्येक व्यक्ति की भिन्न-भिन्न होती है। आप कितना धन कमाना चाहते है और कितना नुकसान उठा सकते है, के आधार पर व्यक्ति को अपने रिस्क प्रोफ़ाइल (जोखिम का अंदाजा) की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। निवेश पूर्व जोखिम उठाने की क्षमता का पता लगते ही आप किस प्रकार की कंपनी में और किस किस्म के वित्तीय संसाधन में निवेश करना चाहते है, की जानकारी पाना संभव होगा। यदि, आप एकदम सुरक्षित और अल्पावधि के लिए पूर्ण प्रवाहिता के साथ निवेश करना चाहते है तो ऋण साधन (डेट इन्स्ट्रूमेंट्स) श्रेष्ठ विकल्प है। यदि, आपने दीर्घकालीन निवेश की योजना बनाई है। उदाहरणार्थ, घर की खरीद के लिए बचत का निवेश कर रहे है, तो अपनी क्षमता अनुसार म्यूचुअल फंडस की विभिन्न योजना, लार्ज कैप स्टॉक्स, स्वर्ण (गोल्ड) चुन सकतें है। डे ट्रेडिंग, एफ एंड ओ और कमोडिटी वायदा कारोबार से उत्सुक व उत्साही निवेशक का कौशल्य बढ़ सकता है और उसमें से कमाई करने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। सिर्फ इतना ध्यान में रखें कि क्षमता से अधिक जोखिम न उठाएं।

आयु और निवेश संसाधनों के बीच संबंध

निवेश प्रारंभ करने में कभी देर नहीं होती। अर्थात, निवेश कभी भी शुरू किया जा सकता है। आपकी आयु तय करेगी कि आपको अपने निवेश पोर्टफोलियो में विभिन्न परिसंपत्ति किस्मों को कितना महत्व देना होगा। सामान्य नियमानुसार, 100 के आँकड़े मे से आपकी आयु को कम करके जो आंकड़ा या मूल्य मिलता है, की कीमत जितना निवेश शेयर मार्केट के इक्विटी संसाधन में होना चाहिए। सामान्य नियमानुसार, आयु जितनी कम तदानुसार, निवेश बढ़ता रहेगा और जैसे जैसे आयु बढ़ेगी वैसे वैसे, निर्धारित वित्तीय और प्रवाहिता का लक्ष्यांक प्राप्त करने के लिए आप अपनी बचत सुरक्षित, अल्पकालीन संसाधनों में निवेश कर सकते है।

क्या आप दीर्घकालीन निवेशक या डे ट्रेडर है या दोनों काम करतें है?

यह तय कर लेना जरूरी है कि आप कितनी अवधि तक निवेश करना चाहते है और आपका कारोबार आपकी वित्तीय क्षमता व आँकक्षा का संतुलन बनाए रखता है या नहीं? डे ट्रेडिंग, आर्बिट्राज ट्रेडिंग, विदेश के स्टॉक में निवेश आदि व्यवसायिक निवेशक, हेज फंड मेनेजर्स और

INTERNAL

वित्तीय संस्थाओं का क्षेत्र है। प्रायोगिक आधार पर, आप अपनी चल (लिक्विड) परिसंपत्ति (अचल परिसंपत्ति के सिवाय) की एक या तो प्रतिशत राशि डे ट्रेडिंग में लगा सकते है। वैसे, स्टॉक मार्केट में किसी भी प्रकार का निवेश करने के पहले रिसर्च करना पूर्वशर्त है - डे ट्रेडिंग में भी रिसर्च का विशेष महत्व है। इसमें, आम धारणा से विपरीत मतानुसार भी कारोबार किया जाता है। हर डे ट्रेडर अपनी अपनी अलग-अलग थ्योरी (सिद्धांत) का अनुसरण करता है। सफल डे ट्रेडर वो होता है जो 75 प्रतिशत सौदे में नुकशान भुगतने के बावजूद अन्य 25 प्रतिशत सौदे में लाभ कमाकर बैंक बैलेंस में वृद्धि करता है। इस प्रकार का कारोबार अंतर्ज्ञान या नसीब पर नहीं बल्कि उचित आयोजन और रणनीति के अमल पर आधारित होता है।

उपसंहार

आप अपने बारे में जितना जानते है। ठीक उसी तरह, अपने निवेश की भी जानकारी भी रखे। शेयर बाजार में निवेश के लिए उचित आयोजन करना ही पूंजी में वृद्धि की पक्की प्रक्रिया है। उचित रिसर्च, धीरज व रणनीति के उचित अमल से निवेश का मूल्य बढ़ सकता है।

INTERNAL